जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 97 प्रभात जालोर, सोमवार 14 जुलाई, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

विंबलडन फाइनल

कार्लोस अल्कराज़ यानिक सिनर

विश्व नम्बर 1 यानिक सिनर ने रविवार को इतिहास रच दिया। विंबलड सिंगल्स टाइटल जीतने वाले वो पहले इटालियन टैनिस खिलाड़ी हैं। यानिक ने पिछले दो बार के चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ को विंबलडन 2025 के फाइनल में 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

आर.एस.एस. अपने शताब्दी वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी को अस्थिर करे, इसकी सम्भावना नगण्य है?...(2)

यह सच है कि हाल ही में मोहन भागवत ने नागपुर में एक भाषण में, ''दूसरों को भी स्थान'' देने की बात कही थी, पर यह मात्र औपचारिकता लगती है, बनिस्पत भाजपा में शीर्ष स्तर पर कोई बदलाव लाने की कोशिश

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी वैचारिक संस्था, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अंदर नेतृत्व परिवर्तन की बार-बार अटकलें लगती रही हैं, लेकिन संघ परिवार के शीर्ष पदाधिकारी मानते हैं कि अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अस्थिर करने की कोई संभावना नहीं है, खासकर तब जब आर.एस.एस. अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है, जो 2026 तक जारी रहेगा।

संघ के आंतरिक विचार-विमर्श से परिचित सूत्रों ने बताया कि हाल ही में नागपुर में आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत के भाषण, जिसमें उन्होंने ''दूसरों के लिए रास्ता बनाने'' की बात कही, ने भले ही पीढ़ीगत बदलाव को लेकर विभिन्न व्याख्याओं को जन्म दिया हो, लेकिन इन टिप्पणियों को एक ठोस नेतृत्व परिवर्तन की मंशा के संकेत के बजाय एक ''रैटॉरिकल'' (औपचारिक बयानबाजी) के रुप में देखा जा रहा है।

- **अगर 75 की उम्र पार करते ही मोदी का इस्तीफा कराने की सच्ची कवायद होती, तो, संघ प्रमुख मोदी से वन-टू-वन बंद कमरे में आसानी से बात क्यों न कर लेते।**
- **अब मोदी संघ के केवल एक साधारण कार्यकर्ता नहीं, जिसके लिए संघ में अपने हर कदम का स्पष्टीकरण देना आवश्यक है और स्वीकृति प्राप्त करना जरुरी है।**
- **एक दिक्कत यह भी है संघ के सम्मुख, कि संघ के वरिष्ठ नेता, जो संघ-भाजपा के बीच पुलिया का काम कर सकते थे, अब नहीं रहे।**
- **इसके अलावा संघ का माहौल मोदी के पक्ष में है, क्योंकि उन्होंने राम मंदिर, आर्टिकल 370 तथा युनिफॉर्म सिविल कोड जैसे संघ के एजेण्डा पूरे किये हैं। इसके अलावा उन्होंने संघ को इकोनॉमिकली पैरों पर खड़ा कर दिया, और दो हजार करोड़ रुपये दिलवाये दिल्ली में, दूसरा मुख्यालय, केशव कुंज बनाने के लिए।**
- **अतः अगर भागवत मोदी को खुली चुनौती देते हैं तो कार्यकर्ताओं तक का एक बड़ा ग्रुप बगावत में खड़ा हो सकता है, क्योंकि ऐसे बहुत कार्यकर्ता स्तर के लोग हैं, जो मोदी को संघ का अब तक का सबसे सफल, मॉडल मानते हैं।**

एक वरिष्ठ आर.एस.एस. सूत्र ने सवाल किया: ''अगर भागवत सच में चाहते हैं कि मोदी कदम पीछे हटाएं, तो फिर उनके साथ बंद दरवाज़े के पीछे व्यक्तिगत मुलाकात क्यों नहीं करते?'' इसका जवाब संगठनात्मक हकीकतों में छुपा है। नरेंद्र मोदी अब केवल एक स्वयंसेवक नहीं हैं, जिनकी जवाबदेही संगठन के भीतर हो। वे भारत के सबसे लोकप्रिय नेता हैं और स्वतंत्र जनादेश के साथ आर.एस.एस. की पारंपरिक कमांड श्रृंखला से अलग खड़े हैं।

एक और दिक्कत है, प्रभावी वार्ताकारों की कमी। सन् 2014 के बाद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति ने चार को राज्यसभा के लिये मनोनीत किया

नयी दिल्ली, 13 जुलाई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न क्षेत्रों की चार विशिष्ट हस्तियों को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है जिनमें जाने माने वकील उज्ज्वल देवराव निकम,पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सी. सदानंदन मास्टर और जानी मानी इतिहासकार तथा शिक्षाविद् मीनाक्षी

- **उज्जवल निकम आतंकवादी कसाब के मामले में मजबूत पैरवी के लिये जाने जाते हैं। हर्ष श्रृंखला पूर्व विदेश सचिव हैं। सदानंद मास्टर केरल के शिक्षाविद हैं तथा मीनाक्षी जैन प्रसिद्ध इतिहासकार हैं।**

जैन शामिल हैं।

गृह मंत्रालय ने शनिवार देर रात जारी अधिसूचना में कहा कि राष्ट्रपति ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 80 के खंड (1) के उप-खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मनोनीत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संसद के मानसून सत्र की तैयारी के लिये सोनिया गांधी ने बैठक बुलाई

मंगलवार को होने वाली बैठक में संसदीय दल के रणनीति समूह के सदस्य भाग लेंगे

नयी दिल्ली, 13 जुलाई। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने संसद के मानसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति तय करने के लिए मंगलवार को बैठक बुलाई है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, गांधी के सरकारी आवास 10 जनपथ पर बुलायी गयी इस बैठक में संसदीय दल के रणनीति समूह के सदस्य भाग लेंगे।

बैठक में मानसून सत्र के दौरान पार्टी द्वारा अपनायी जानेवाली रणनीति और इसमें उठाए जाने वाले मुद्दों पर विचार किया जाएगा।

कांग्रेस पिछले कुछ समय से पहलगाम में आतंकवादी हमले तथा ऑपरेशन सिंदूर तथा उसके बाद इसकी जानकारी देने के लिए विभिन्न देशों में भेजे गए प्रतिनिधिमंडलों को लेकर

- **संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चलेगा। कांग्रेस पार्टी इसमें कई मुद्दों पर सरकार को घेरना चाहती है।**

सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग करती रही है।

इसके अलावा, वह बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर भी सरकार को घेर रही है।

सुत्रों का कहना है कि इन सब मुद्दों को मानसून सत्र में जोर-शोर से उठाए जाने की उम्मीद है। इसके अलावा पार्टी मंहगाई, बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दों पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मालगाड़ी में डीजल के 18 टैंकरों में आग लगी

चेन्नई, 13 जुलाई। दक्षिण रेलवे के चेन्नई बीच-अरक्कोणम खंड पर तिरूवल्लुर स्टेशन के पास रविवार को डीजल से लदी मालगाड़ी के कम से कम 18 टैंकरों में आग लग गयी और कई टैंकर पटरी से उतर गए जिसके कारण कई एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द करना पड़ा।

दक्षिण रेलवे के सूत्रों के मुताबिक रविवार सुबह लगभग 05:30 बजे चेन्नई हार्बर से वालाजाह रोड साइडिंग जा रही डीजल से लदी मालगाड़ी के

- **अग्निशमन दलों ने आठ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। कोई हताहत नहीं हुआ।**

बीच के टैंकर में आग लग गयी तथा कई अन्य टैंकर पटरी से उतर गए। आग से पूरे इलाके में काला धुआं भर गया और प्रशासन ने स्थानीय लोगों को वहां से सुरक्षित निकालने का प्रयास शुरू कर दिया।

इंजन के बाद तीसरे टैंकर में आग लग गयी जो 19वें टैंकर तक फैल गयी। लोको पायलट ने तुरंत आपातकालीन ब्रेक लगाए और तिरुवल्लूर के स्टेशन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार के बाद देश भर में मतदाता सूची संशोधन की तैयारी

सुप्रीम कोर्ट में बिहार पर 28 जुलाई की सुनवाई के बाद चुनाव आयोग अंतिम निर्णय लेगा

नई दिल्ली, 13 जुलाई। चुनाव आयोग ने अगले महीने से पूरे भारत में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी शुरू कर दी है। यह पुनरीक्षण बिहार में चल रहे विशेष पुनरीक्षण जैसा होगा। चुनाव आयोग की तरफ से यह कदम उस समय उठाया गया है जब पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने इसे संविधानिक दायित्व करार दिया और चुनाव आयोग को बिहार में इस प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति दी।

अब कुछ राज्य चुनाव अधिकारियों ने उन राज्यों में आखिरी बार किए गए विशेष पुनरीक्षण के बाद प्रकाशित मतदाता सूची को सार्वजनिक कर दिया है। दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची उपलब्ध है, जब राष्ट्रीय राजधानी में आखिरी बार पुनरीक्षण हुआ था। उत्तराखंड में 2006 में आखिरी पुनरीक्षण हुआ था, और अब उस वर्ष की सूची राज्य की वेबसाइट पर है।

- **इस बीच, कुछ राज्य चुनाव अधिकारियों ने आखिरी बार किए गए विशेष पुनरीक्षण के बाद प्रकाशित मतदाता सूची सार्वजनिक करना शुरु कर दिया।**
- **दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी की वैबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची उपलब्ध है। वहां 2008 में आखिरी बार पुनरीक्षण हुआ था। इसी प्रकार उत्तराखंड की 2006 की मतदाता सूची वैबसाइट पर है।**

चुनाव आयोग ने कहा है कि 28 जुलाई को बिहार मामले की सुनवाई के बाद, वह देशव्यापी पुनरीक्षण पर अंतिम निर्णय लेगा। इस प्रक्रिया के तहत विदेशी अवैध प्रवासियों को उनके जन्मस्थान की जांच करके हटाया जाएगा।

बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जबकि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल में विधानसभा चुनाव होंगे। चुनाव आयोग का देशव्यापी मतदाता सूची पुनरीक्षण करने का फैसला कई राज्यों में अवैध विदेशी प्रवासियों पर कार्रवाई के मद्देनजर महत्वपूर्ण है।

चुनाव आयोग के अधिकारी के मुताबिक, इलेक्शन अथॉरिटी 28 जुलाई के बाद एसआईआर पर अंतिम फैसला लेगी क्योंकि बिहार स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के मामले में सुप्रीम कोर्ट में दोबारा सुनवाई होनी है।

वहीं, कुछ राज्यों के चीफ इलेक्शन ऑफिसर ने अपने राज्यों में पिछली एसआईआर के बाद की पब्लिश वोटर लिस्ट जारी करना शुरू भी कर दिया है।

सोमवार को शुरु होगी शुभांशु की वापसी यात्रा

वॉशिंगटन, 13 जुलाई। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा कि यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही। यह एक जादू की तरह महसूस हुई। उन्होंने 1984 स्पेस ओडिसी से राकेश शर्मा के प्रतिष्ठित शब्दों को दोहराते हुए कहा कि अंतरिक्ष से भारत आज भी सारे जहाँ से अच्छा दिखता है। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष से आज का भारत महत्वाकांक्षी, निडर, आत्मविश्वासी और गर्व से भरा हुआ दिखता है।

शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचने वाले भारत के पहले और अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। शुभांशु शुक्ला ने अब तक अंतरिक्ष में 18 दिन बिताए हैं, जहां वे प्रतिदिन 16 बार सूर्योदय और सूर्यास्त देख रहे थे। आईएसएस पृथ्वी से लगभग 400 किमी ऊपर 28,000 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से घूमता है।

शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर एक्सिओम-4 मिशन के अंतरिक्ष

- **अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर एक्सिओम मिशन के सदस्यों के लिये विदाई समारोह आयोजित हुआ।**

यात्रियों के लिए आयोजित विदाई समारोह में बोल रहे थे। अंतरिक्ष यात्री सोमवार को पृथ्वी पर वापसी की यात्रा शुरू करने वाले हैं। 26 जून से शुरू हुए आईएसएस प्रवास के बारे में शुभांशु ने कहा यह एक शानदार यात्रा रही।

उन्होंन कहा,कि वह अपने साथ बहुत सारी यादें और सीख लेकर जा रहे हैं, जिन्हें वह अपने देशवासियों के साथ साझा करेंगे। एक्सिओम-4 मिशन सोमवार को आईएसएस से अलग होगा और इसके मंगलवार को कैलिफोर्निया तट पर उतरने की उम्मीद है। एक्सिओम मिशन-4 के चार सदस्यीय अंतरिक्ष यात्री दल सोमवार को स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार होकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के हार्मनी मॉड्यूल के स्पेस-फेसिंग पोर्ट से मौसम की स्थिति देखते हुये अनडॉक होगा जिससे उनकी पृथ्वी पर वापसी शुरू हो सकेगी और वे कैलिफ़ोर्निया के तट पर उतर सकें।

बांग्लादेश से यूनुस ने मोदी को 1000 किलो आम भेजे

ढाका, 13 जुलाई। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आम भेजे हैं। ये आम सोमवार को पहुंचने वाले हैं। यूं तो आम हर बार भेजे जाते हैं लेकिन इस बार जब दोनों देशों के बीच रिश्ते ठीक नहीं हैं तो इन आमों का आना खास हो गया है। बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान

- **बांग्लादेश द्वारा आम भेजने की परम्परा पिछली सरकारों के समय से चल रही है। इस वर्ष दोनों देशों के बीच रिश्ते ठीक नहीं हैं।**

प्रधानमंत्री मोदी से मिले यूनुस को पीएम मोदी की तरफ से भारत विरोधी बयानबाजी और पूर्वोत्तर पर उनकी टिप्पणियों के लिए कड़ा संदेश दिया गया था। वैसे मुहम्मद यूनुस ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री को भी आम भेजे हैं।

अहमदाबाद-लंदन, फ्लाईट क्रैश मानव गल्ती से नहीं, कम्प्यूटर में ''बग'' (सॉफ्टवेयर फॉल्ट) आने से हुआ?

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-

वॉशिंगटन, 13 जुलाई। भारत के विमानन जांच प्राधिकरण ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है जिससे दुर्घटनाग्रस्त विमान के पायलट और सह-पायलट के बीच एक महत्वपूर्ण बातचीत के बारे में पता चलता है। यह जानकारी बोइंग कंपनी के ड्रीमलाइनर विमानों में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज़ से अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है।

रिकॉर्ड की गई बातचीत में एक पायलट दूसरे से यह कहता सुना जा रहा है, ''तुमने बंद क्यों किया?'' और जवाब में दूसरा कहता है, ''मैंने नहीं किया।'' अर्थात् पायलट आपस में यह पूछ रहे थे कि इंजन तक ईंधन सप्लाई लाइन क्यों बंद की गई, जबकि, दूसरा पायलट कह रहा था कि उसने ऐसा नहीं किया।

यह स्पष्ट रूप से इस ओर इशारा करता है कि ईंधन आपूर्ति स्विच, पायलटों द्वारा शारीरिक रूप से कोई कार्यवाही किए बिना स्वत: बंद हो गया। एयर इंडिया की फ्लाइट ए.आई. 171 की दुर्घटना की व्याख्या में यह जानकारी अतिमहत्वपूर्ण है, जो 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही थी।

फ्यूल सप्लाई के कट जाने से इंजन बंद हो जाते हैं, और ए.आई. 171 के मामले में दोनों इंजन उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद अचानक बंद हो गए, जिससे विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

यदि दोनों में से किसी भी पायलट ने ईंधन आपूर्ति बंद नहीं की, तो यह केवल एक ही संभावना की ओर इशारा करता है, कि ईंधन की आपूर्ति किसी मानवीय हस्तक्षेप के बिना स्वत: ही बंद हो गई। कुछ अनुभवी कैप्टनों ने आशंका जताई है कि यह किसी सॉफ़्टवेयर गड़बड़ी के कारण हो सकता है।

यह किसी विद्युत विफलता या

- **बोइंग कम्पनी के ''ड्रीम लाइनर'' हवाई जहाज की ''फ्यूल सप्लाई लाइन्स'' लैंडिंग गियर की हरकतों के प्रति काफी संवेदनशील होती हैं।**
- **किसी भी पायलट द्वारा गल्ती से, ''फ्यूल सप्लाई'' लाइन बन्द करना असम्भव सा है। क्योंकि एक भारी लीवर (स्टील का डण्डा) उठाकर एक दूसरे खांचे में डालना पड़ता है, ''फ्यूल सप्लाई'' बंद करने के लिए, यह गल्ती से अनायास होना नामुकिन सा है।**
- **अतः यह निष्कर्श निकालना अनुचित नहीं कि कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर में कोई ''बग'' आने से फ्यूल लाइन्स की सप्लाई अचानक बंद हुई और प्लेन ''क्रैश'' हुआ।**

कंप्यूटर में गड़बड़ी का परिणाम भी हो सकता है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि कंप्यूटर या सॉफ़्टवेयर से जुड़ी खराबी सामने आई हो। इससे पहले बोइंग के एक अन्य विमान मॉडल 837 मैक्स-800 की दो बार दुर्घटना हो चुकी है, जहाँ उड़ान के तुरंत बाद विमान की नाक (नोज़ सैक्शन) स्वत: नीचे झुकने लगी थी।

यदि वास्तव में किसी सॉफ़्टवेयर ''बग'' ने ईंधन आपूर्ति लाइनों को बंद कर दिया, तो इस श्रेणी के सभी विमानों में इन प्रणालियों की तत्काल जाँच अनिवार्य हो जाती है। ये आधुनिक विमान अत्याधुनिक सॉफैस्टिकेटेड टैक्नॉलजी से युक्त होते हैं।

पायलटों और तकनीकी विशेषज्ञों की तकनीकी शब्दावली को छोड़ भी दें, तो भी यह ज्ञात है कि ये विमान अत्यधिक एकीकृत (इन्टिग्रेटेड) प्रणालियों से लैस होते हैं जो विमान के हर पहलुओं की निगरानी करते हैं। ईंधन आपूर्ति लाइनें लैंडिंग गियर पर पड़ने वाले दबाव के प्रति अत्यंत संवेदनशील होती हैं।

जब विमान उड़ान भरता है, तो लैंडिंग गियर सिस्टम पर दबाव में अचानक गिरावट आती है, जिसे पहचान कर यह प्रणाली ईंधन आपूर्ति लाइनों को संकेत देती है कि अब ईंधन आपूर्ति शुरू की जाए। इन स्वचालित प्रणालियों से अलग, इंजन की ईंधन आपूर्ति लाइनों को शारीरिक रुप से संचालित करने के लिए पायलटों को एक भारी लीवर उठाना पड़ता है और फिर उसे ऑन या ऑफ की स्थिति में लाना होता है।

इसलिए यह मानना कि कोई पायलट अनजाने में ईंधन आपूर्ति को चालू से बंद कर सकता है, पूरी तरह से असंभव है। ईंधन आपूर्ति बंद करने में पायलट की गलती मानना बेहद अनुचित होगा। हालांकि, यदि कोई कंप्यूटर गड़बड़ी ऐसी घटनाओं की श्रृंखला उत्पन्न कर सकती है, तो उसकी गहराई से जांच आवश्यक है।

प्रारंभिक रिपोर्ट में बहुत अधिक विवरण सामने नहीं आया होगा, क्योंकि ऐसी जांच में बड़े स्तर पर डेटा का विश्लेषण शामिल होता है। यह जांच देश में ही हो रही है और इसकी दिशा का निर्धारण जांच टीमों द्वारा ही किया जाएगा।

यह अत्यंत आवश्यक है कि दुर्घटना से जुड़े सभी घटनाक्रमों और परिस्थितियों की ईमानदारी से जांच की जाए। यह भविष्य में विमान यात्रियों की सुरक्षा के लिए बेहद ज़रूरी है।